खबर संक्षेप

बस्ती के बीच किराना दुकान में भालू की दूसरी बार दस्तक

शहडोल। जिले के जैतपुर वन परिक्षेत्र के रसमोहनी बस्ती में स्थित एक किराना दुकान में सप्ताहभर में दूसरी बार भालू की मौजूदगी ने स्थानीय लोगों में दहशत फैला दी है। पवन किराना स्टोर में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात भालू फिर आ पहुंचा और दुकान के बाहर रखी नमक की बोरियों को फाड़ दिया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। दुकानदार के अनुसार पहली घटना 2 दिसंबर की रात हुई थी, जब भालू दुकान के बाहर पहुंचा था। सुबह नमक की फटी बोरियां देखकर दुकानदार ने फुटेज चेक किया और वन विभाग को इसकी सूचना दी थी, लेकिन विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसी लापरवाही के बीच भालू ने दोबारा दस्तक दी, जिससे ग्रामीणों में रोष बढ़ गया है। ग्रामीण रोहित गुप्ता और अन्य लोगों ने वन विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पहली घटना के बाद भी क्षेत्र की निगरानी नहीं बढ़ाई गई, जिससे बस्ती में दोबारा खतरा पैदा हुआ है। लोगों का कहना है कि वन्यजीव की लगातार बढ़ती सक्रियता के बावजूद विभाग गंभीरता नहीं दिखा रहा। उधर, हाल ही में केशवाही वन परिक्षेत्र में भालू द्वारा एक महिला की हत्या की घटना के बाद रेंजर अंकुर तिवारी ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी थी, लेकिन जैतपुर परिक्षेत्र में एहतियाती कदम न उठाए जाने से लोगों में भारी नाराजगी है।

शिक्षा के मंदिर में शराब का साया!

प्राथमिक शाला में नशेड़ी शिक्षक पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

उमरिया।

शिक्षा को बच्चों का मौलिक अधिकार कहा जाता और शिक्षक को राष्ट्रनिर्माता, लेकिन जिले के मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत करौंदी टोला के शासकीय प्राथमिक स्कूल में जो तस्वीर सामने आई है, वह शिक्षा व्यवस्था की नींव को खोखला कर रही है। यहां बच्चों के भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी लिए एक प्राथमिक शिक्षक चंद्रभान कोल को खुलेआम, बार-बार नशे की हालत में स्कूल पहुंचते हुए पकड़ा गया है। यह घटना सिर्फ एक शिक्षक की लापरवाही नहीं, बल्कि बच्चों की शिक्षा के साथ किया गया एक अक्षम्य खिलवाड़ है, जिस पर प्रशासन की नींद टूटना आवश्यक है।

नशे में धुत, बात करने में भी असमर्थ

11 दिसंबर 2025 की सुबह ठीक 10:30 बजे जब बच्चों को ज्ञानार्जन करना चाहिए था, जन शिक्षण केंद्र बिजौरी की टीम ने शासकीय प्राथमिक शाला करौली टोला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दल ने जो पाया, वह स्तब्ध कर देने वाला था। स्कूल में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक चंद्रभान कोल पूरी तरह नशे की गिरफ्त में पाए गए। उनकी हालत इतनी दयनीय थी कि जन शिक्षक टीम द्वारा संवाद स्थापित करने के तमाम प्रयास विफल रहे, शिक्षक ठीक से बात करने की स्थिति में भी नहीं थे। यह घटना आकस्मिक नहीं है। स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों के धैर्य का बांध तब टूटा जब उन्होंने निरीक्षण टीम के सामने अपना दर्द बयां किया। अभिभावकों ने विस्फोटक खुलासा करते हुए बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है, बीते कई दिनों से यह शिक्षक इसी तरह नशे की हालत में स्कूल आ रहे हैं। बच्चों की शिक्षा का क्या हाल होगा, यह इस बात से समझा जा सकता है कि अभिभावकों के अनुसार, शिक्षक द्वारा बच्चों को किसी भी प्रकार की नियमित पढ़ाई नहीं कराई जा रही है। इसका सीधा और गंभीर असर मासूम छात्रों के भविष्य पर पड़ रहा है।

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बंद हो!

बच्चों के शिक्षा के अधिकार के इस हनन को देखते हुए गांव के वरिष्ठ नागरिक और जागरूक अभिभावक अभयराज सिंह ने तत्काल मौके पर मोर्चा संभाला। उन्होंने न सिर्फ उपस्थित होकर शिक्षक को खरी-खोटी सुनाई, बल्कि स्पष्ट और कठोर चेतावनी भी दी। अभयराज सिंह ने दो टूक शब्दों में कहा कि शिक्षक अपनी जिम्मेदारी को समझें, समय से विद्यालय आएं और भविष्य में नशे की हालत में स्कूल पहुंचने की हिमाकत न करें। श्री सिंह ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा शिक्षा बच्चों का अधिकार है। शिक्षक का दायित्व है कि वह पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से अपनी जिम्मेदारी निभाए। अगर शिक्षक अपनी इस निकृष्ट आदत में सुधार नहीं लाते हैं, तो ग्रामीण अब चुप नहीं बैठेंगे। हम बाध्य होंगे कि जन शिक्षण केंद्र और उच्च अधिकारियों से न सिर्फ औपचारिक शिकायत करें, बल्कि सख्त से सख्त कार्रवाई के लिए दबाव बनाएं। बच्चों का भविष्य खतरे में है, और इस लापरवाही को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अनुशासनहीनता और नशे की रिपोर्ट दर्ज

निरीक्षण के समय विद्यालय परिसर में ग्रामीणजन, जन शिक्षक, डी.बी.एस.सी., रोजगार सहायक, रसोईया तथा स्वयं सरपंच जैसे जिम्मेदार लोग उपस्थित थे। सभी की उपस्थिति में इस पूरे गंभीर मामले का विधिवत पंचनामा तैयार किया गया। इस पंचनामा में शिक्षक की खुली अनुशासनहीनता, नशे की स्पष्ट हालत, अभिभावकों के विस्तृत बयान तथा निरीक्षण दल की आधिकारिक रिपोर्ट को विधिवत दर्ज किया गया है। यह दस्तावेज अब प्रशासन के लिए एक अकाट्य प्रमाण है।

चेतावनी नहीं, अब निलंबन चाहिए

ग्रामीणों ने एक स्वर में प्रशासन से मांग की है कि इस मामले को सामान्य अनुशासनहीनता मानकर न टाला जाए, बल्कि कठोरतम कार्रवाई की जाए। उनकी स्पष्ट मांग है कि ऐसा कदम उठाया जाए जिससे अन्य लापरवाह शिक्षकों के लिए एक कड़ा संदेश जाए। उनका कहना है, लगातार लापरवाही और नशे की हालत में विद्यालय आना बच्चों के भविष्य को जानबूझकर खतरे में डालना है। इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। जन शिक्षण केंद्र की टीम ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि पूरे प्रकरण की रिपोर्ट बिना किसी विलंब के उच्च अधिकारियों तक पहुँचाई जाएगी और नियमों के अनुसार सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

महिला की हत्या का पर्दाफाश, आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले की सीधी पुलिस ने ग्राम सिंचौरा में हुई महिला हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए अज्ञात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 15 नवंबर को राजकुमार सिंह गोंड, निवासी सिंचौरा ने थाना सीधी में सूचना दी थी कि उसकी मां राजवती उम्र लगभग 50 वर्ष की किसी अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से हत्या कर दी है। घटना 14 नवंबर की रात 9 बजे से 15 नवंबर की सुबह 9 बजे के बीच की बताई गई थी। सूचना पर उप निरीक्षक राकेश मिश्रा द्वारा देहाती नालसी तैयार कर अपराध क्रमांक 00/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

पुलिस टीम ने प्रारंभिक जांच के बाद घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और संभावित संदिग्धों की सूची तैयार की। तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल सर्विलांस तथा मुखबिर तंत्र की सूचना के आधार पर पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले। गहन खोजबीन के बाद 11 दिसंबर 2025 को पुलिस ने पप्पू उर्फ श्रीराम सिंह गोंड उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम सिंचौरा, को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस को उसके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त हुए, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना प्रभारी निरीक्षक एस. आर. भगत के नेतृत्व में इस कार्रवाई में उप निरीक्षक राकेश मिश्रा, उप निरीक्षक दिनेश द्विवेदी, प्रधान आरक्षक हेमंत सिंह, प्रधान आरक्षक अखंड प्रताप सिंह, आरक्षक सतीष सिंह और आरक्षक शिव कुमार मरकाम की भूमिका रही। पुलिस के इस त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

दो युवकों से 70 नग नशीली कफ सिरप जब्त की

शहडोल। जिले की बुढ़ार पुलिस ने नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दो युवकों को नशीली कफ सिरप के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान अनिल गुप्ता उम्र 28 निवासी वार्ड क्रमांक 1 हाथी डोल, तथा सानू उर्फ शमशाद उम्र 36 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 15 टॉकीज रोड धनपुरी, को पकड़ा। दोनों के कब्जे से कुल 70 नग ऑनरेक्स कफ सिरप जब्त की गई। पुलिस के अनुसार जब्त किया गया कफ सिरप एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत प्रतिबंधित श्रेणी में आता है। अवैध रूप से नशीली कफ सिरप रखने और तस्करी की आशंका को देखते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि नियमित कार्रवाई के चलते नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में शामिल लोगों में हडकंप मचा है और अभियान आगे भी सतत जारी रहेगा।

ब्यौहारी बोलेरो हादसे में घायल युवक की मौत

पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच तेज की

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के टिहकी गांव में बुधवार सुबह हुए बोलेरो हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार सुबह मामले में मर्ग कायम कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार बोलेरो वाहन का चालक झपकी आने से नियंत्रण खो बैठा और वाहन सीधे सडक़ किनारे पेड़ से जा टकराया। पुलिस के अनुसार बोलेरो वाहन क्रमांक यूपी 82 एएल1498 छत्तीसगढ़ के दुर्ग से रीवा की ओर जा रहा था। वाहन में सवार तीनों युवक मोबाइल नेटवर्क का कार्य करते हैं और कार्यगत यात्रा पर थे। बुधवार सुबह लगभग 7:30 बजे टिहकी गांव के पास वाहन तेज रफ्तार में था, तभी चालक को अचानक झपकी आने से वाहन पेड़ से भिड़ गया। जोरदार टक्कर में वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और तीनों युवक घायल हुए। घायलों में से चिंटू जाटव पिता कृष्णा (उम्र 33 वर्ष), निवासी बागपत, गंभीर रूप से घायल हुआ था, जबकि दो अन्य को मामूली चोटें आई थीं। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से तीनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल चिंटू जाटव को डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद भर्ती किया, लेकिन उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई और देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

गुरुवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कार्रवाई पूरी कर शव को उसके साथियों के सुपुर्द कर दिया। वहीं वाहन चालक के विरुद्ध लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने और सडक़ दुर्घटना में मृत्यु होने के प्रकरण में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि हादसे के वास्तविक कारण और जिम्मेदारी की पुष्टि विवेचना पूरी होने के बाद ही की जाएगी। उधर, अन्य दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

जिला न्यायालय परिसर में फायर डेमो और सेफ्टी प्रशिक्षण

कर्मचारियों को दिया व्यावहारिक मार्गदर्शन

शहडोल। मुख्य नगरपालिका अधिकारी के निर्देश पर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में फायर डेमो और फायर सेफ्टी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीजेएम राजेन्द्र सिंह श्रृंगार विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण का उद्देश्य न्यायालय परिसर में कार्यरत कर्मचारियों को आग से सुरक्षा, बचाव और आपातकालीन प्रतिक्रिया संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान करना था। प्रशिक्षण के दौरान फायर कर्मी मुनेश शर्मा ने आग के प्रकार, आग लगने के कारण और आग से बचाव के मूल उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आग की किसी भी स्थिति में त्वरित सतर्कता और प्राथमिक प्रतिक्रिया को सबसे महत्वपूर्ण बताया। इसके बाद फायर कर्मी जफर खान ने विभिन्न प्रकार के फायर स्टिंग्यूशर, उनके उपयोग की विधि तथा रखरखाव के बारे में प्रशिक्षण दिया। उन्होंने लाइव डेमो के माध्यम से यह बताया कि अलग-अलग परिस्थितियों में किस प्रकार का स्टिंग्यूशर प्रभावी होता है। कार्यक्रम में प्रभारी मो. इस्माइल, फायर कर्मी सहरोज अहमद, मुनेश शर्मा, जफर खान और ब्रजेश बड़ौलिया उपस्थित रहे। फायर सेफ्टी प्रशिक्षण के माध्यम से न्यायालय परिसर में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और आग से संबंधित जोखिमों को कम करने का प्रयास किया गया।

अज्ञात बदमाशों ने दो दुकानों में लगाई आग

हजारों का नुकसान, पुलिस ने आगजनी का मामला दर्ज किया

शहडोल। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र में बुधवार रात अज्ञात शरारती तत्वों ने मूसा तिराहे के पास स्थित दो दुकानों में आग लगा दी। अचानक हुई इस आगजनी में दोनों दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। दुकानों में रखा सामान नष्ट हो गया, जिससे हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। घटना का पता तब चला जब सुबह दुकानदार दुकान खोलने पहुंचे। दुकानदार कमलेश यादव ने बताया कि वह रोज की तरह रात लगभग 11 बजे सब्जी की ठेला-नुमा दुकान बंद कर घर चले गए थे। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे जब वे दुकान पहुंचे तो दुकान धधक रही थी। पास ही स्थित बेचू रजक की प्रेस (धोबी) की दुकान भी आग की चपेट में थी। दोनों दुकानों में तेज लपटें देखकर दुकानदारों ने स्थानीय लोगों को बुलाया और तत्काल फायर टीम को सूचना दी।

सूचना मिलने पर फायर कर्मी मुनेश शर्मा और भारत जायसवाल टीम के साथ दो दमकल वाहनों सहित मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकानदार बेचू रजक ने बताया कि उनकी दुकान में लगभग 80 जोड़ी से अधिक ग्राहक के कपड़े प्रेस के लिए रखे थे, जो पूरी तरह जल गए हैं। वहीं कमलेश यादव की सब्जी दुकान में रखा सारा सामान राख में बदल गया, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आगजनी स्पष्ट प्रतीत हो रही है। अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बुढ़ार में भी आगजनी की घटना

बुढ़ार थाना क्षेत्र में नगरपालिका धनपुरी के समीप ईदगाह के सामने गद्दा-रजाई बनाने वाले एक युवक की दुकान में भी अज्ञात बदमाशों ने आग लगा दी। बिहार निवासी पीड़ित जाबिर ने बताया कि वह पिछले एक माह से सडक़ किनारे दुकान लगाकर मशीन से गद्दे-रजाई बना रहे थे। रात में अज्ञात लोगों ने मशीन सहित सामान में आग लगा दी, जिससे भारी नुकसान हुआ है। दोनों घटनाओं ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र में अंतर-क्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

शहडोल

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र में अंतर-क्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ 10 दिसंबर को गरिमामयी वातावरण में हुआ। प्रतियोगिता 13 दिसंबर तक प्रतिदिन जारी रहेगी तथा समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास मौजूद रहेंगे। उद्घाटन अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधन, संयुक्त सलाहकार समिति, कल्याण समिति, सुरक्षा समिति, शिष्टाचार काउंसिल, ओबीसी, सीएमओआई सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कोल इंडिया के ध्वज आरोहण और कॉरपोरेट गीत के सामूहिक गायन से हुई। अध्यक्षीय संबोधन में बताया गया कि हॉकी देश का राष्ट्रीय खेल है तथा सोहागपुर क्षेत्र खेल आयोजन की उत्कृष्ट परंपरा के लिए जाना जाता है। खिलाड़ियों को अनुशासन, प्रतिबद्धता और खेल-भावना के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की प्रेरणा दी गई। प्रतियोगिता के पहले दिन कुल चार मुकाबले खेले गए। पहले मैच में जोहिला क्षेत्र ने रायगढ़ क्षेत्र को पराजित किया। दूसरे मैच में विश्रामपुर क्षेत्र ने कोरबा क्षेत्र पर जीत दर्ज की। तीसरे मुकाबले में दीपिका क्षेत्र ने एसईसीएल मुख्यालय टीम को हराया। दिन के अंतिम मैच में गेवरा क्षेत्र ने भटगांव क्षेत्र को मात दी। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में उत्साह देखा जा रहा है।

गर्भवती माताओं का कराएं शत-प्रतिशत पंजीयनः कलेक्टर

शहडोल। कलेटर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की संचालित संस्थाओ, चिकित्सको एवं स्टाफ नर्स, कम्पांउडर, सीएमचओ तथा पैरा मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता, गर्भवती माताओ की पंजीयन तथा उनके फालोअप, उच्च जोखिम वाली माताओ के चिन्हाकंन एवं उनके उपचार की व्यवस्था, संस्थागत प्रसव तथा टीकाकरण, एनसीडी कार्यक्रम, अंधत्व निवारण कार्यक्रम, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, पोषण पुर्नवास केंद्र में भर्ती किये गए बच्चों की जानकारी, सिकल सेल उन्मूलन, मातृ मृत्यु दर, आयुष्मान कार्ड, पीएम जनमन, मोबाइल यूनिट तथा ई-टेली मेडिसिन के प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिए कि गर्भवती माताओ का शत-प्रतिशत पंजीयन किया जाए तथा संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जाए, संबंधित क्षेत्र की आशाकार्यकर्ता एवं ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता नियमित रूप से गर्भवती माताओ के संपर्क में रहे, एनीमिया से पीड़ित गर्भवती माताओ का प्रथम स्तर पर ही मॉनीटरिंग कर उपचार किया जाए। गंभीर एनीमिया से पीड़ित गर्भवती माताओ को प्रसव की तिथि से एक माह पूर्व ही मॉनिटरिंग करते हुए आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य केंद्रो में भर्ती कराया जाए। इसी तरह पंजीकृत गर्भवती माताएं जो हाई रिस्क श्रेणी में है का चिन्हाकंन कर पूर्व से ही विशेषज्ञ चिकित्सा का लाभ दिया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नवजात शिशुओ तथा 0 से 5 वर्ष तक बच्चो को शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए।

हरिभूमि
जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा
सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 667. अजय भोरे पिता\पति कृष्णा राव भोरे पता- शिव विहार डुंडा रायपुर, 668. गिरीश कुमार शर्मा पिता\पति कुंजलाल शर्मा पता– रायपुर, 669. गजेन्द्र कुमार देवांगन पिता\पति लखन लाल देवांगन पता- 26 कृष्णा सखा सोसाइटी रोहणीपुरम, 670. सुरेश साहू पिता\पति मनोहर लाल साहू पता- कुशालपुर रायपुर, 671. लोकेश बंजारे पिता\पति पीलू राम बंजारे पता- देवपुरी रायपुर, 672. राम किसुन साहू पिता\पति श्री फेरु राम साहू पता- सेमरिया रायपुर, 673. गीतांजलि यादव पिता\पति टापेश यादव पता- अशोक नगर गुढ़ियारी, 674. कैना बाई जांगड़े पिता\पति कृपाल जांगड़े पता- रिखिया परा जवाहर नगर रायपुर, 675. शिव कुमार मसूरकर पिता\पति स्व.डी.जी. मसूरकर पता- बड़ा अशोक नगर गुढ़ियारी रायपुर, 676. लेख राम धुरंधर पिता\पति डेहरा राम पता- बसारंग आरंग, 677. अक्षय कुमार साहू पिता\पति तिहारू राम साहू पता- नवापारा पीड, 678. पंकज साहू पिता\पति अनिरुध्र कुमार पता- हिन्छापुर सांकरा, 679.संजू सोनी पिता\पति गोपाल सोनी पता- आमापारा धमतरी, 680. चेष्टा साहू पिता\पति श्री मोहन लाल पता- भोथली धमतरी, 681. दिनेश्वरी निर्मलकर पिता\पति श्री लक्खू निर्मलकर पता- वार्ड न.-01 नाका पारा डोंगरगढ़, 682. हर्षिता अग्रवाल पिता\पति अनुपम अग्रवाल पता- गली बाजार वार्ड न.-12, 683. रश्मि साहू पिता\पति तारस लाल साहू पता- खैरी तुमड़ी बोड, 684. संजय वर्मा पिता\पति मोहन सिंह वर्मा पता- कन्तेली वार्ड न.02, 685. श्वेता शर्मा पिता\पति चन्द्र मोहन शर्मा पता-कांकेर, 686. चन्द्र किशोर साहू पिता\पति स्व.धरम राम साहू पता- सुमन पब्लिक स्कूल गुंडरदेही, 687. कुणाल कश्यप पिता\पति जोगेन्द्र कश्यप पता- जगदलपुर, 688. हरिशंकर पटेल पिता\पति कवलसिंह पटेल पता- जन्घोरा वि.ख.पिथौरा, 689. यशोदा निर्मलकर पिता\पति महेतरू निर्मलकर पता- मारुती वार्ड देवांगन पारा कवर्धा, 690. झड़ी राम यादव पिता\पति स्व.नाथू राम यादव पता- मोहरा, 691. माधव राम देवांगन पिता\पति रामनाथ देवांगन पता- जोंधरा पदर पारा कोंडागांव, 692. चुनेश्वरी मानिकपुरी पिता\पति ओंकार दास मानिकपुरी पता- गणेश किराना स्टोर वृंदा नगर भिलाई, 693. दुपत कुमार महतेल पिता\पति भीषम लाल महतेल पता- ग्राम-रूदा, 694. मो.मोइजुदीन पिता\पति मो.मोईनुद्दीन पता- जयंती नगर दुर्ग, 695. हुलेश कुमार देवांगन पिता\पति जनक लाल देवांगन पता- ग्राम व पोस्ट निकुम दुर्ग, 696. निधि साहू पिता\पति उपेन्द्र कुमार साहू पता- कुरूद, 697. नेहा साहू पिता\पति दमेंद्र कुमार साहू पता- आर्य नगर कोहका भिलाई, 698. चैतलाल देवांगन पिता\पति नकुल देवांगन पता- क्वार्टर न.5/H जोन-01 खुर्शिपार, 699. श्रीमती देवती पिता\पति बलिराम राम शर्मा पता- कैलाश नगर भिलाई, 700. कमल प्रसाद पिता\पति श्री अवध राम पता- वार्ड न.34 जी.केबिन चरौदा, 701. मुरारी प्रसाद देवांगन पिता\पति चुन्नी लाल देवांगन पता- कुथरेल थाना अंडा, **बिलासपुर संस्करण –** 702. प्रकाश कुमार गिरी पिता/पति राजकिशोर गिरी पता- परसाभाठा बालको, 703. अश्वनी कुमार पिता/पति स्व.सीताराम्र पता- दीपका कालोनी, 704. संतोष सिंह चंदेल पिता/पति लक्ष्मण सिंह चंदेल पता- बाल्कोनगर, 705. प्रमोद कुमार राठौर पिता/पति बाबूजी पता- हरदी बाजार, 706. अंजली बिंझवार पिता /पति अशोक कुमार बिंझवार पता- मड़वारानी, कोरबा, 707. रमेश कुमार राठौर पिता/पति सुखराम राठौर पता- हरदी बाजार कोरबा, 708. पलक अग्रवाल पिता/पति जगदीश प्रसाद अग्रवाल पता- हरदी बाजार कोरबा, 709. कुमारी दिव्या पिता/पति जे.पी.दिव्या पता- रामसागर पारा कोरबा, 710. अदिति ठाकुर पिता/पति राजेन्द्र सिंह ठाकुर पता- धनुहार पारा बाल्को, 711. नीतू देवी सिंह पिता/पति रविशंकर सिंह बाल्को कोरबा, 712. विवेक सोनी पिता/पति जगदीश सोनी पता- नेहरू नगर बाल्को कोरबा, 713. श्याम जी यादव पिता/पति लालजी यादव पता- दीपका बस्ती, 714. राकेश कुमार खूंटे पिता/पति बाबूलाल पता- रजगामार, 715. योगिता कुमारी पिता/पति मनोज यादव पता- परसाभाठा बालको, 716. अनुराधा पांडेय पिता /पति सुधांशु पांडेय पता- बाल्को, 717. अरूण कुमार पिता/पति उमेन्द्र राम बिंझवार पता- सण्डैल कोरबा, 718. चंद्रशेखर बिंझवार पिता/पति दाऊराम बिंझवार पता- सण्डैल कोरबा, 719. सुनीता विश्वाल पिता/पति एस.विश्वाल पता- शांति नगर बाल्को, 720. रमेश चौहान पिता /पति विशाल चौहान पता- शांति नगर बाल्को, 721. रामकुमार साहू पिता/पति पुनीराम साहू पता- परसाभाठा बालको, 722. सविता यादव पिता/पति पुनीत कुमार यादव पता- संगम नगर बालको, 723. फरहा आरिफ अहमद पिता/पति आरिफ अहमद पता- बालको, 724. गार्गी पाठक पिता/पति अवधेश नारायण पाठक पता- शांति नगर, बालको, **भोपाल संस्करण –** 725. हर्षित झोड़ पिता\पति सुनील झोड़ पता- पंचशील नगर भोपाल, 726. जयश्री बुनकर पिता\पति मनोज बुनकर पता- राजीव नगर कोटरा सुल्तानाबाद भोपाल, 727. खुशी रजक पिता\पति राजेश रजक पता- पुट्ठा मिलपुरानी कॉलोनी, 728. शिवा विश्वकर्मा पिता\पति लक्ष्मी नारायण पता- 7148 देवी नगर करोद, 729. रेणुका सिंह सोंलकी पिता\पति संतोष सिंह सोंलकी पता- 34 राज नगर पलासी, 730. रेणु विश्वकर्मा पिता\पति प्रदीप विश्वकर्मा पता- शंकर नगर विदिशा, 731. रामबाबू सेन पिता\पति मोती लाल सेन पता- बरईपुरा विदिशा, 732. लवयांश कुशवाह पिता\पति सुमित कुशवाह विदिशा, **जबलपुर संस्करण –** 733. रजनीश कौरव पिता\पति उत्तम सिंह कौरव पता- नर्मदा कॉलोनी गाडरवारा, 734. नूरीन फातिमा पिता\पति सैयद इस्तेयाक अली पता- सुभाष वार्ड गाडरवारा, 735. जयंत प्रताप गौतम पिता\पति संजय कुमार गौतम पता- सरकारी स्कूल के पास मंगल नगर कटनी, 736. मधुलिका बक्शी पिता\पति - कॉलोनी कटनी, 737. शिवन्या बर्मन पिता\पति राहुल बर्मन पता- शारदा मंदिर के पास बरगवां कटनी, 738. आदर्श कुमार नामदेव पिता\पति राम किशोर नामदेव पता- सिंगौड़ी, 739. अभिनव राय पिता\पति अभिषेक राय पता- सिंगौड़ी, 740. देवांशी काछी पिता\पति संदीप कई पता- सिंगौड़ी।

नियम एवं शर्तें लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

खबर संक्षेप

ऑपरेशन मुस्कान के तहत नाबालिग बालिका सुरक्षित दस्तयाब

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एस.डी.ओ.पी. कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में, नाबालिग गुमशुदा बच्चों की तलाश हेतु चलाए जा रहे "ऑपरेशन मुस्कान" अभियान के तहत थाना रामनगर पुलिस को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। थाना रामनगर के अपराध क्रमांक 80/25 धारा 137(2) की अपहता कु. मासूम सिंह को आज 09.11.25 को सुरक्षित दस्तयाब किया गया है। जांच के दौरान यह ज्ञात हुआ कि अपहता बिना किसी को बताए मार्च 2025 में अपनी मौसेरी बहन के घर रायपुर (छत्तीसगढ़) चली गई थी।

13 दिसंबर को जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा उडनदस्ता दल गठित

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 13 दिसंबर को पूर्वान्ह 11.30 बजे से से अपरान्ह 1.30 बजे तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में संपन्न होगी ।निर्धारित परीक्षा केंद्रों में परीक्षा संचालन व्यवस्था के औचक निरीक्षण किए जाने हेतु निरीक्षण दलों (उडनदस्ता) का गठन किया गया है । उन्होने बताया कि परीक्षा केंद्र शासकीय उत्कृष्ट उमावि उमरिया, कन्या उमावि, बालक कॉलरी,अशासकीय सेन्ट्रल एकेडमी बडेरी उमरिया तथा अशासकीय आर सी स्कूल उमरिया के लिए जिला शिक्षा अधिकारी,नायब तहसीलदार, शासकीय कन्या उमावि बालक चंदिया,शासकीय उमावि कन्या चंदिया के लिए नायब तहसीलदार चंदिया,शासकीय उमावि करकेली के लिए तहसीलदार करकेली, शासकीय उत्कृष्ट उमावि मानपुर,अशासकीय सरस्वती हासे स्कूल मानपुर, अशासकीय नवज्योति अकादमी मानपुर,अशा. सेंट जेवियर हासे मानपुर तथा अशा. श्री गणेश हासे स्कूल मानपुर के लिए तहसीलदार मानपुर, प्रभारी सहायक अधीक्षक मानपुर, शासकीय उमावि ताला तथा शा0मा0शा0 ताला के लिए नायब तहसीलदार मानपुर एवं शासकीय उत्कृष्ट उमावि पाली,कन्या उमावि पाली तथा अशासकीय सरस्वती हासे स्कूल पाली के लिए तहसीलदार पाली उडनदस्ता दल में शामिल है ।उन्होंने निरीक्षण दलों से कहा है कि आवंटित परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण करते हुए निरीक्षण प्रतिवेदन परीक्षा समाप्ति के बाद प्रस्तुत करें । परीक्षा केंद्र मे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए ।

मौके पर कराया सीएम हेल्पलाइन कि शिकायतों का निराकरण

सीईओ जिला पंचायत ने मेढक़ी एवं बकेली का किया औचक निरीक्षण

उमरिया

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने गत दिवस ग्राम पंचायत मेढक़ी तथा बकेली का औचक निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान उन्होने मेढक़ी एवं बकेली में आयोजित सीएम हेल्पेलाइन कैंप तथा मां की बगिया के कार्य का अवलोकन किया।

सीईओ जिला पंचायत ने शिकायकर्ता व्दारा की गई शिकायतों का मौका मुआयना भी किया तथा मौके पर ही शिकायत को संतुष्टिपूर्वक बंद कराया । निरीक्षण के दौरान बताया गया कि ग्राम पंचायत मेढक़ी में 1 तथा बकेली में 4 एक बगिया मां के नाम स्वीकृत है, जिसका मौका मुआयना के दौरान कार्य प्रगतिरत पाया गया। सीईओ जिला पंचायत ने उपयंत्री को निर्देश दिए कि सर्व प्रथम वायर फेसिंग का कार्य कराया जाए, उसके बाद पौधरोपण का कार्य किया जाए, ताकि पौधों को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो सके,और पौधे जीवित अवस्था में रह सकेंगे।उन्होने कहा कि एक बगिया माँ के नाम मध्य प्रदेश सरकार की एक योजना है,जो महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के लिए है।जिसके तहत स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को अपनी एक एकड़ निजी ज़मीन पर फलदार बगीचे लगाने के लिए वित्तीय सहायता और सामग्री (पौधे, खाद, तार, सिंचाई) प्रदान की जाती है,ताकि उनकी आय बढ़े और हर घर में हरियाली हो। निरीक्षण के दौरान खंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

नेशनल लोक अदालत 13 दिसम्बर को, खण्डपीठों का हुआ गठन

उमरिया

प्रथम श्रेणी जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया प्रियदर्शन शर्मा ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर को किया गया है। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला न्यायालय उमरिया में 08 खण्डपीठ, सिविल न्यायालय बीरसिंहपुर पाली में 01 खण्डपीठ एवं सिविल न्यायालय मानपुर में 1 खण्डपीठों का गठन किया गया है। जिला न्यायालय उमरिया एवं सिविल न्यायालय बीरसिंहपुर पाली/मानपुर में भी 13 दिसंबर को नेषनल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा।

जिला न्यायालय उमरिया में न्यायिक अधिकारीगण क्रमशः अरूण प्रताप सिंह,प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, नजमा बेगम, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश,अहमद रजा,द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश दीपक कुमार अग्रवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वीणा खलखो, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीष वरिष्ठ खण्ड आशीष धुर्वे, प्रथम व्यवहार न्यायाधीष कनिष्ठ खण्ड सरफराज खान, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड पल्लवी सिंह, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, उमरिया गोपाल नंदन पाल, व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड पाली एवं अपूर्व मेहरोत्रा, व्यवहार न्यायाधीष कनिष्ठ खण्ड मानपुर की खण्डपीठ गठित की गई है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण,सिविल प्रकरणों,चेक बाउंस के प्रकरणों, पारिवारिक एवं वैवाहिक प्रकरणों,मोटरयान क्षतिपूर्ति दावा प्रकरणों आदि का निराकरण किया जावेगा। बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का भी निराकरण किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण होने पर संपूर्ण कोर्ट फीस की वापसी हो जाती है तथा विवाद हमेशा के लिये समाप्त हो जाता है। नेशनल लोक अदालत में नगरीय निकायों एवं विद्युत अधिनियम से संबंधित प्रिलिटिगेशन प्रकरणों में शासन के द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार छूट प्राप्त होगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया द्वारा जन सामान्य से नेशनल लोक अदालत में उपस्थित होकर अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराने एवं विवाद रहित समाज की स्थापना में न्यायालय का सहयोग प्रदान करने की अपील की है।

जल संचय अभियान अंतर्गत बोरी बंधान कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। विकासखण्ड मानपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चंदवार में नवांकुर संस्था ज्ञानगंगा शिक्षा समिति पड़वार के माध्यम से जिला समन्वयक रविन्द्र कुमार शुक्ला कि अध्यक्षता में सेक्टर स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया

बैठक के दौरान जल संचय अभियान के बारे में जिला समन्वयक द्वारा बताया गया तथा प्रस्फुटन समितियों के उनके कार्ययोजना को लेकर चर्चा की गई इसके पश्चात ग्राम चंदवार में जल संचय अभियान के अंतर्गत बोरी बंधान का कार्य किया गया । बोरी बंधान में सभी की सक्रिय सहभागिता रही।

इस अवसर पर सेक्टर स्तरीय बैठक में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष भोलाराम तथा सभी प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष , सचिव नवांकुर संस्था ज्ञानगंगा शिक्षा समिति पड़वार के अध्यक्ष रामसजीवन जयसवाल परामर्शदाता माधुरी त्रिपाठी एवं सीमएसीएलडीपी के छात्र-छात्राऐं कल्पना पांडे, रघुनंदन जयसवाल, शिवी तिवारी , हर्ष पांडे , प्रिया भट्ट तथा ग्राम पंचायत चंदवार के सेक्रेटरी कमल नयन पाण्डे जी एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहें।

सीएमएचओ की अध्यक्षता में करकेली में बैठक संपन्न

उमरिया। विकासखंड कार्यालय करकेली में आशा सुपरवाइजरों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.वी.एस.चंदेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । बैठक में उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करना, मातृ स्वास्थ्य में समय पर जांच एवं सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करना, तथा फील्ड स्तर पर सेवाओं की प्रभावी निगरानी करना था।

बैठक में कहा गया कि सभी गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जाँचें समय पर और पूर्ण रूप से कराई जाएँ। इसमें 4 ए एन सी, टीटी टीकाकरण, एच बी जांच, बी पी ,वजन, मूत्र-जांच एवं प्रसव पूर्व परामर्श शामिल हैं। मटेरनल स्वास्थ्य अंतर्गत मातृ पोषण, अनीमिया मुक्ति, एच आर पी पहचान, सुरक्षित संस्थागत

प्रसव,प्रसवोत्तर देखभाल को शत प्रतिशत लागू करने हेतु निर्देश दिए गए। क्षेत्र में मातृ मृत्यु शून्य रखने हेतु एच आर पी महिलाओं की पहचान,घर-घर फॉलो-अप एवं समय पर रेफरल अनिवार्य बताया गया।सभी आशा सुपरवाइजरों को निरंतर फील्ड मॉनिटरिंग कर आशाओं के कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मानसिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देने हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वी.एस. चंदेल ने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि गर्भवती एवं प्रसूता महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है, तथा तनाव, अवसाद या चिंता के लक्षणों की पहचान कर समय पर परामर्श एवं रेफरल सुनिश्चित किया जाए। सी एम एच ओ डॉ.वी.एस. चंदेल द्वारा सभी आशा एवं सुपरवाइजरों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे अपने मोबाइल में मनहित एप अनिवार्य रूप से डाउनलोड करें, आशाओं को गर्भवती एवं धात्री महिलाओं में पोषण,संस्थागत प्रसव, नवजात देखभाल, परिवार नियोजन जैसी सेवाओं व जागरूकता कार्यों को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी तथा सभी फील्ड स्टाफ को अपने उत्तरदायित्व को संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ निभाना होगा। बैठक के अंत में डॉ. चंदेल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने सभी सुपरवाइजरों को उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रेरित किया तथा प्रशासन द्वारा हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए समयबद्धता, फील्ड उपस्थिति और ईमानदार प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। बैठक में डीसीएम रोहित सिंह, सर्जना राय, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर(बीपीएम) रेखा वाधवानी, बीसीएम आर. एन. पटेल, एवं समस्त आशा सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

आत्मा योजनान्तर्गत सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार से सम्मानित होंगे जिले के किसान

जिले में 15 दिसंबर तक किए जा सकते है आवेदन

उमरिया। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजनान्तर्गत जिले के सर्वोच्च उत्पादकता हासिल करने वाले कृषकों को जिला स्तर पर व ब्लॉक स्तर पर सर्वोत्तम कृषकों को सम्मानित किया जाना प्रस्तावित है। यह सम्मान 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसानों को दिया जाना है।

सिंफर के वैज्ञानिकों के आविष्कार को मिला इंडियन पेटेंट

सिंफर के मिथेन डिटेक्टर से कोयला खदानें होंगी सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। केंद्रीय खनन एवं इंधन अनुसंधान संस्थान (सिंफर) धनबाद के वैज्ञानिकों ने भूमिगत कोयला खदानों की सुरक्षा के लिए एक अत्याधुनिक स्थानीय मिथेन गैस डिटेक्टर विकसित किया है। यह डिटेक्टर खतरनाक क्षेत्रों और गैसीय भूमिगत खदानों में मीथेन गैस की लगातार निगरानी में सक्षम है। इस नयी प्रणाली का विकास सिंफर की माइंस मैकेनाइजेशन एंड टेक्नोलॉजी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. स्वदेश कुमार चौल्या, डॉ. गिरेंद्र मोहन प्रसाद और डॉ.अजय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया है। इस प्रणाली में तीन प्रमुख इकाइयों का संयोजन किया गया है एक सुरक्षित निरंतर मीथेन मॉनिटरिंग यूनिट, एक स्वचालित पावर कट-ऑफ यूनिट और एक बैटरी बैकअप युक्त सुरक्षित विद्युत आपूर्ति इकाई मिथेन गैस का स्तर 10 प्रतिशत मापने में सक्षम यह मिथेन डिटेक्टर डिटेक्टर लगातार मिथेन गैस का स्तर 10 प्रतिशत तक मापने में सक्षम है, जिसे उपयोगकर्ता की आवश्यकता के अनुसार 100 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है। जब मिथेन का स्तर अनुमेय सीमा से अधिक हो जाता है, तो यह प्रणाली स्वचालित रूप से उस क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद कर देती है, जिससे विस्फोट की संभावना समाप्त हो जाती है। इससे न केवल अनमोल जानें बचायी जा सकेंगी, बल्कि संपत्ति की भी सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

भूमिगत कोयला खदानों में सुरक्षित होगा खनन कार्य

मजदूरों इस प्रणाली को अंतरनिर्मित बैटरी बैकअप और सुरक्षित विद्युत आपूर्ति के साथ तैयार किया गया है, जिससे यह लंबे समय तक बिना बैटरी बदले काम कर सकती है। खास बात यह है कि इस डिटेक्टर की रीडिंग एक किलोमीटर दूर तक सुरक्षित स्थान से भी देखी जा सकती है, जिससे मॉनिटरिंग टीम को खतरनाक जगहों पर जाने की से आवश्यकता नहीं होती। यह तकनीक भूमिगत कोयला खदानों में सुरक्षित खनन कार्य को सुनिश्चित करती है। इस प्रणाली के उपयोग से न केवल खदानों में काम करने वाले मजदूरों की से सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि उत्पादन कार्य भी निर्बाध रूप से जारी रह सकेगा।

मंडल राजनगर में एसआईआर के संदर्भ में मंडल कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। राजनगर क्षेत्र के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी राजनगर मंडल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के संदर्भ में मंडल कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोतमा विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन के स्वतंत्र प्रभार मंत्री दिलीप जायसवाल का एवं कार्यक्रम की वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी जिला अनूपपुर उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति सोनी का मार्गदर्शन मिला। साथ ही प्रक्रिया के विधानसभा प्रभारी प्रेमचंद यादव ,नगर परिषद बनगवां के अध्यक्ष यशवंत सिंह तथा नगर परिषद डूमरकछार के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार चौरसिया कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष राजनगर, धर्मेंद्र सिंह पिछला मोर्चा जिला अध्यक्ष की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रदेश एवं जिला के पदाधिकारी, मंडल के सभी मोर्चा-प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता बंधु एवं वरिष्ठजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान में सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस संदर्भ में विस्तार से चर्चा हुई। इस कार्यक्रम प्रमुख रूप से श्याम सुंदर गौतम, सच्चिदानंद सिंह, पत्रकार मनोज सिंह जी पत्रकार, समर बहादुर सिंह, मनीष शुक्ला, अजय सिंह, अरविंद सिंह परिहार, शिव मूरत केवट, सुनील गुप्ता, दिनेश चतुर्वेदी,अशोक वर्मा, गिरिजा विश्वकर्मा, संतोष जायसवाल, सोनू कनौजिया, सचिन द्विवेदी, नारायण साहू, नगर परिषद डूमर कछार की उपाध्यक्ष श्रीमती कंचन मेहता, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती संगीता माली, श्रीमती संगीता साहू एवं अनेक बूथ अध्यक्ष बीएलओ 2 एवं मंडल में निवासरत समस्त पार्टी पदाधिकारी मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं समस्त कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे। निर्वाचन साथ ही राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रीय गान वंदे मातरम का गायन कर कार्यक्रम की समापन की घोषणा की गई।

स्वच्छ भारत अभियान को लगा रहे पलीता

हरिभूमि न्यूजकोतमा। नगर पालिका के द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत नगर को साफ सुथरा रखने के लिए नपा अध्यक्ष अजय सराफ एवं नगर पालिका अधिकारी प्रदीप झारिया के द्वारा अभियान चलवाया जा रहा है स्वच्छता के लिए नगर के वार्ड क्रमांक 1 से 7 तक एक सुपरवाइजर एवं एक सहायक को नियुक्त करते हुए सफाई व्यवस्था की देखरेख करने के लिए रखा गया है, लेकिन धरातल पर स्वच्छ भारत अभियान को सफाई कर्मचारी पलीता लगाते नजर आ रहे हैं। जहां नगर के अंदरूनी बस्ती के साथ ही मुख्य मार्गों में झाड़ियां उगी हुई है लेकिन इनकी सफाई नहीं करवाये जाने के कारण लोगों को गंदगी का सामना करने के साथ ही दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। नगर के मुख्य मार्ग बनिया टोला मॉडल रोड सड़क के किनारे दोनों तरफ बड़ी-बड़ी झाड़ियां उगी हुई है लेकिन ना तो सुपरवाइजर और ना ही सहायक को उनकी सफाई करवाने की ओर ध्यान जा रहा है। कई बार वार्ड वासियों ने झाड़ियां की साफ-सफाई करवाए जाने के लिए सुपरवाइजर पार्षद एवं अधिकारियों को भी जानकारी दी की झाड़ियां के कारण एक और की सड़क में चलने वाले वाहन चालकों को दूसरी ओर से आने वाला नजर नहीं आता है जिसके कारण हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है तथा घर के आसपास गंदगी के साथ ही जहरीले कीड़े काटने का डर भी सताता रहता है। वार्डवासियों ने नगर के अंदरूनी बस्ती एवं मुख्य मार्ग में लगे झाड़ियां को कटवाए जाने की मांग की है।

नैपकिन डिस्पोज़ल मशीन का नगर परिषद अध्यक्ष ने किया वितरण

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के अध्यक्ष यशवंत सिंह के द्वारा नगर क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों में नैपकिन डिस्पोज़ल मशीनों (सेनेटरी नैपकिन इंसीनरेटर) का वितरण महिलाओं की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में पहली बार इस स्तर पर ऐसी आधुनिक मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। जिनसे बालिकाओं एवं महिलाओं के मासिक धर्म के दौरान उपयोग किए गए नैपकिन के सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल निपटान की सुविधा सुनिश्चित होगी। इस पहल के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजनगर, शासकीय महाविद्यालय राजनगर, कन्या विद्यालय राजनगर और संजीवनी क्लिनिक राजनगर में मशीनें स्थापित की गई हैं। मशीन वितरण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के लिए स्वच्छता से जुड़ी मूलभूत समस्याओं का समाधान आसान बनाना है। उपयोग किए गए सेनेटरी नैपकिन का उचित निपटान लंबे समय से ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में एक बड़ी चुनौती रहा है। सामान्य कूड़ेदान में फेंके गए नैपकिन न केवल बीमारी फैलाने का खतरा बढ़ाते हैं, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण का कारण भी बनते हैं। ऐसे में नैपकिन डिस्पोज़ल मशीनें, जो उपयोग किए गए नैपकिन को सुरक्षित रूप से जलाकर राख में बदल देती हैं। अत्यंत प्रभावी समाधान साबित होती हैं। नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह ने मशीनों का वितरण करते हुए कहा कि महिलाओं की स्वच्छता और स्वास्थ्य किसी भी समाज की नींव है। यदि स्वच्छता के मूल ढांचे को सुधारा जाए, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक समस्याओं को रोका जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेताओं कृ गजेन्द्र सिंह सिकरवार, धर्मेंद्र सिंह , पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश कलसा, राजेंद्र त्रिपाठी, सुरेश गौतम, कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष, देवनाथ त्रिपाठी और सचिन द्विवेदी युवा मोर्चा महामंत्री, संगीता माली महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष ने इस पहल को अत्यंत प्रशंसनीय बताया। वहीं जनप्रतिनिधियों में उपाध्यक्ष नगर परिषद बनगवां (राजनगर) धनंजय सिंह, प्रमोद शुक्ला, समय पटेल, पार्षद पति जितेंद्र पनिका, पार्षद पति अंबिकेश सोनी, पार्षद पति भीम जायसवाल और पार्षद पति राजकुमार ने भी नगर परिषद के इस कदम को महिलाओं की गरिमा और स्वच्छता संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया। इस कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी राममिलन तिवारी की उपस्थिति ने भी वितरण प्रक्रिया को संस्थागत समर्थन प्रदान किया। शासकीय महाविद्यालय और कन्या विद्यालय में मशीनों के लगने से छात्राओं को विशेष लाभ मिलेगा। अक्सर विद्यालयों में उपयोग किए गए नैपकिन के सुरक्षित निपटान की कमी के कारण छात्राएं असहज महसूस करती हैं, जिससे उनकी उपस्थिति प्रभावित होती है। डिस्पोज़ल मशीनें उन्हें स्वच्छता और सुरक्षा दोनों प्रदान करेंगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और संजीवनी क्लिनिक में इन मशीनों का होना चिकित्सकीय सुविधा लेने आने वाली महिलाओं के लिए बेहद उपयोगी होगा। क्योंकि यह उन्हें स्वच्छ वातावरण और सुरक्षित व्यवस्था प्रदान करेगा। इससे स्वास्थ्य केंद्रों की सफाई व्यवस्था भी बेहतर होगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने माना कि मासिक धर्म से जुड़ी स्वच्छता को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी रहती है, और कई बार महिलाएं उचित निपटान न होने के कारण स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करती हैं। लेकिन नैपकिन डिस्पोज़ल मशीनें इस समस्या को सीधे तौर पर हल करती हैं। यह न केवल कचरे के प्रबंधन को आसान बनाती हैं, बल्कि बीमारियों के जोखिम को भी कम करती हैं। नगर परिषद अध्यक्ष ने बताया कि भविष्य में नगर के अन्य स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और सार्वजनिक स्थानों पर भी ऐसी मशीनें स्थापित करने की योजना है। इसके साथ ही महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता और सुरक्षित निपटान के प्रति जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल सामाजिक दायित्व और जनहित के बीच संतुलन स्थापित करती है। राजनगर में इस तरह की सकारात्मक गतिविधियाँ महिलाओं के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण निर्मित करने की दिशा में बड़े बदलाव का संकेत देती हैं। यह कार्यक्रम न केवल तत्काल लाभ प्रदान करता है बल्कि यह संदेश भी देता है कि किसी भी प्रगतिशील समाज के लिए महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता को प्राथमिकता देना अनिवार्य है। नगर परिषद द्वारा उठाया गया यह कदम आने वाले समय में राजनगर को महिलाओं के अनुकूल और स्वच्छता के प्रति सजग नगर के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

खबर संक्षेप

स्वीकृति के बाद भी अब तक शुरू नहीं हुआ निर्माण

सिलौंडी। सिलौंडी में तीन साल पहले ही कन्या छात्रावास का भवन दो करोड़ की लागत से स्वीकृत हो चुका है परन्तु अभी तक उसका निर्माण कार्य शुरू नही हुआ है जिसके कारण क्लास 9 से 12 तक छात्राओं को आगे की पढ़ाई में दिक्कत हो रही है। सिलौंडी के समीपवर्ती लगभग 12 से 15 गांव की छात्राएं कन्या कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय क्लास 6 से 8 तक में निवास कर अपनी पढ़ाई करती है परंतु आगे की पढ़ाई हेतु छात्रावास की व्यवस्था न होने कारण उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़ना पड़ता है। शासन ने सन 2022 में 2 करोड़ की लागत से कन्या छात्रावास क्लास 9 से 12 तक के भवन को स्वीकृति प्रदान किया परंतु अभी तक निर्माण कार्य शुरू नही हुआ जिससे कारण आदिवासी बहुल क्षेत्र की छात्राओं का भविष्य खराब हो रहा है। जिला पंचायत सदस्य कविता राय ने बताया कि मैंने जिला स्तर पर सामान्य सभा की बैठक में अनेक बार ये मुद्दा उठाया है। क्षेत्र के जन प्रतिनिधि और आम जनता ने छात्राओं के आगे की पढ़ाई हेतु जल्द से जल्द छात्रावास भवन का निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की है।

प्रचार की तानाशाही से छात्रों का भविष्य हो रहा चौपट

ब्यौहारी

विकासखंड के अंतर्गत खरपा हायर सेकेंडरी स्कूल में संस्कृत के टीचर की नियुक्ति नहीं की जा रही मनमानी रवैया अपनाया जा रहा है जिससे छात्रों को संस्कृत की पढ़ाई नहीं हो पा रही।

ये है पूरा मामला

हायर सेकंडरी स्कूल खरपा में संस्कृत विषय के 2 पद स्वीकृत हैं। प्राचार्य ने वर्ग एक में बृजेश मिश्रा की नियुक्ति की और वर्ग दो में अजय तिवारी की। सितम्बर माह में बृजेश मिश्रा ने अतिथि शिक्षक से त्याग पत्र दे दिया। इस कारण नियमानुसार प्राचार्य को वरीयता क्रम में अगले अतिथि शिक्षक को आमंत्रित कर अध्यापन कार्य करवाना चाहिए था। किंतु प्राचार्य ने अगले क्रम के अतिथि शिक्षक को आमंत्रित नहीं किया और संस्कृत का कालखंड ऐसे शिक्षकों को आबंटित कर दिया जिनके पास संस्कृत विषय की पर्याप्त योग्यता नहीं है। जबकि अर्थशास्त्र और भौतिकी विषय में विद्यालय में योग्य शिक्षक उपलब्ध होने के बावजूद अतिथि शिक्षकों की भर्ती की गई है। विद्यालय में पदस्थ श्रीमती अंशु सिंह माध्यमिक शिक्षक की

योग्यता भौतिकी में एम एस सी है जिससे वे भौतिकी विषय का अध्यापन कार्य कर सकती हैं। वहीं श्री विनोद पटेल माध्यमिक शिक्षक की योग्यता एम ए अर्थशास्त्र होने के कारण वह अर्थशास्त्र विषय का अध्यापन कार्य कर सकते हैं। फिर भी उक्त दोनों विषय के अतिथि शिक्षक रखे गए हैं। किंतु संस्कृत विषय का कोई योग्य शिक्षक न होने के बावजूद अतिथि शिक्षक नहीं रखा गया जिससे संस्कृत विषय का अध्यापन अयोग्य शिक्षकों से करवाया जा रहा है। अतीत

शिक्षक वर्ग 1 अंशु बस जो अर्थशास्त्र की हैं जिनके स्नातक विषय में संस्कृत है ही नहीं उनसे कक्षा आठवीं का संस्कृत पढ़वाया जा रहा है जबकि वह प्राचार्य को पहले ही लिख करके दे चुकी है कि मैं पढ़ने में असमर्थ हूं लेकिन प्रचार द्वारा तानाशाही पूर्वक कार्य करते हुए किसी की बात नहीं सुनी जा रही छात्र बताते हैं कि ये शिक्षक संस्कृत विषय का अध्यापन न करवाकर अपने अपने विषय का अध्यापन कार्य करवाते हैं। हायर सेकंडरी के छात्रों द्वारा दो सौ रुपए प्रति छात्र प्रतिवर्ष शुल्क जमा किया जाता है किंतु छात्रों को किसी भी प्रकार की खेल सामग्री उपलब्ध नहीं करवाई जाती। छात्रों एवं विभाग पुणे मुख्यमंत्री शिक्षा मंत्री एवं कलेक्टर से प्रचार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है । इनका कहना है। मैं दूसरे शिक्षकों से पदवा रहा हूं कोई नुकसान नहीं हो रहा संस्कृत की विषय लग रही है श्यामलाल साकेत प्राचार्य हायर सेकेंडरी स्कूल खरपा।

इनका कहना

मुझे जानकारी मिली थी की संस्कृत के टीचर नहीं है छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है तभी से मैंनै क ई बार संस्कृत में भर्ती के लिए कह चुका हूं लेकिन प्राचार्य द्वारा फिर भी अभी तक भर्ती नहीं किया गया है उनको नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ब्रह्मानंद श्रीवास्तव
बीईओ ब्यौहारी

मेरी संस्कृत की कक्षा नहीं लगती संस्कृत पढ़ने के लिए अंशु मैडम आती तो कहती है हिंदी पढ़ो मुझे संस्कृत नहीं बनता मैं संस्कृत की टीचर नहीं हूं

सुप्रिया पाल
कक्षा 8

संजय टाइगर रिजर्व के बफर एरिया में हो रही पेड़ों की कटाई

ब्यौहारी

संजय टाइगर रिजर्व बफर व्यवहारी की ग्राम भमरहा प्रथम झांपी पहाड़ बनास धाम के पास साल के बीस पेड़ काटे गए हैं ग्राम वासी गुड्डा सेन ने बताया कि मुंशी शकुनी प्रजापति एवं चौकीदार संतोष पटेल की सह पर लगातार बफर एरिया में पेड़ काटे जा रहे हैं जिससे जंगल नष्ट हो रहा है मुंशी और चौकीदार का काम जंगल की सुरक्षा करना है लेकिन वही भक्षक बन गए हैं ग्रामीण जनों में मुंशी एवं चौकीदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इनका कहना है

आपके माध्यम से जानकारी मिली है जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी

अर्पित मैराल
वन परिक्षेत्र अधिकारी बफर संजय टाइगर रिजर्व ब्यौहारी

राजेंद्रा अंडर ग्राउंड माइंस : सुरक्षा पखवाड़ा 2025 का 'स्पेशल कवरेज' गहराई में सुरक्षा की अनोखी मिसाल, आज निरीक्षण टीम हर सेक्शन की बारीकी से करेंगे पड़ताल

धनपुरी।

सोहागपुर क्षेत्र की राजेंद्रा भूमिगत माइंस इन दिनों सुरक्षा गतिविधियों का केंद्र बनी हुई है। वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा 2025 के अवसर पर खदान परिसर में जिस गंभीरता और अनुशासन के साथ कार्यक्रम चल रहे हैं, वह इसे एसईसीएल की सबसे सतर्क खदानों की श्रेणी में स्थापित करता है।गैस, वेंटिलेशन और रेस्क्यू—तीनों पर फोकसटीम ने गैस मॉनिटरिंग, वेंटिलेशन फ्लो, सपोर्ट सिस्टम और संचार व्यवस्था की जाँच की। रेस्क्यू रूम की तैयारी को "बेहद संतोषजनक" बताया गया।आर 12 दिसंबर—सबसे बड़ा निरीक्षणइस दिन निरीक्षण दल ने खदान के सभी सेक्शनों की गहराई तक जांच।निरीक्षण दल टीम में कोरबा और हसदेव एरिया के अधिकारी शामिल होंगे—नवल किशोर राय, कोरबा, विकास (E&M), सिंहाली UG, S.N. मिश्रा, सर्वेयर, S.S. पैकरा, WI अशुतोष पांडे, ASO हसदेव,माला कृष्णा, दमिनी माइंस (ऑब्जर्वर) टीम ने भूमिगत सपोर्ट, फायर फाइटिंग सिस्टम और सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता को खदान की व्यवस्था" करेंगे निरीक्षण। वरिष्ठ अधिकारियों की अगुवाई—सुरक्षा संस्कृतिअभियान का नेतृत्व कर रहे अधिकारी— बी. हरिबाबू, महाप्रबंधक (ख) बी. बालाकृष्णा, मुख्य प्रबंधक (ख) / खान प्रबंधक श्वनीश कुमार सिन्हा, उप-प्रबंधक (वि./यां.) आर.एस. मिश्रा, खान सुरक्षा अधिकारीइनका स्पष्ट संदेश—"राजेंद्रा माइंस में सुरक्षा नियम नहीं, हमारी कार्य संस्कृति है।" कर्मचारियों की भागीदारी—पखवाड़े को मिला व्यापक समर्थनपोस्टर प्रतियोगिता, आपातकालीन ड्रिल, सुरक्षा शपथ और सुझाव अभियान में कर्मचारियों का उत्साह चरम पर रहा। स्पेशल साररराजेंद्रा अंडरग्राउंड माइंस ने सुरक्षा के मानकों पर एक बार फिर खुद को अग्रणी साबित करने का प्रयास।निरीक्षण दल ने कई बिंदुओं पर खदान की व्यवस्थाओं का करेंगे बारीकियों से अवलोकन।

101 नेत्र पीड़ितों का कुशल नेत्र विशेषज्ञों ने लैंस प्रत्यारोपण विधि से किया ऑपरेशन

नेत्र शिविर का किया गया आयोजन

बुढार।

अग्रवाल सेवा समिति बुढार एवं राष्ट्रीय दृष्टि नियंत्रण भारत शाखा के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर में 101 नेत्र पीड़ितों के मोतियाबिंद ऑपरेशन प्रत्यारोपण विधि से जिले के कुशल नेत्र विशेषज्ञों ने कर पीड़ितों को नव ज्योति प्रदान की।

अग्रवाल सेवा समिति ने स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन 9 दिसंबर से 11 दिसंबर तक किया गया। शिविर में 145 नेत्र पीड़ितों की जांच कुशल नेत्र विशेषज्ञों ने की जिसमें ऑपरेशन योग्य 117 लोग पाये गये और 10 दिसंबर को जिले के जाने-माने नेत्र विशेषज्ञ डॉ बी.एस.वारिया तथा डॉ आरती ताम्रकार ने 101 लोगों का नेत्र ऑपरेशन जिला स्वास्थ्य केंद्र में किया इसके उपरांत गुरुवार को नेत्र शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया।

विशाल नेत्र शिविर का समापन समारोह नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के मुख्यातिथि में तथा शिविर अध्यक्ष राजेश चमड़िया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मोतियाबिंद ऑपरेशन कराने वाले नेत्र पीड़ितों को अग्रवाल समाज बुढार द्वारा भोजन एवं ठहरने की समुचित व्यवस्था निःशुल्क करायी गई वहीं ऑपरेशन कराने वालों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यक दवाइयां व चश्मा प्रदान किया गया और समापन अवसर पर अग्रवाल समाज बुढार द्वारा 101 ऑपरेशन कराने वालों को उपहार स्वरूप कम्बल प्रदान किया गया।

नेत्र शिविर समापन समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यातिथ नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने कहाकि - अग्रवाल सेवा समिति ने नेत्र पीड़ितों की मदद में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर पीड़ित मानवता की सेवा में हाथ बढ़ाया है जो अतिप्रशंसनीय है।

शिविर समापन समारोह के अध्यक्ष एवं युवा समाजसेवी राजेश चमड़िया ने कहाकि - पीड़ितों को चिकित्सीय सुविधा अर्जित कराये जानें अग्रवाल सेवा समिति बुढार एक लंबे समय से शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से करता आ रहा है और समाज के सभी सम्माननीय जन बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता निभाते आ रहे है। समाज सेवी राजेश चमड़िया ने कहाकि - पीड़ित की सेवा ही, सच्ची सेवा है इसी पुनीत भावना से विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया जिससे नेत्र पीड़ितों को चिकित्सकों ने ऑपरेशन कर नवज्योति अर्जित करायी जिससे उनके चेहरों में मुस्कान आ सकी।

शिविर के आयोजन एवं समापन अवसर पर - प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शैली जैन, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष रोशन तोंदी, महिला अध्यक्ष श्रीमती ललिता सिंघानिया, श्रीमती सीमा तोंदी, श्रीमती कन्ता सराफ, समाज सेवी सुरेंद्र गर्ग, मनीष चमड़िया ओम सिंघानिया, दीपक सरावगी, सुरेंद्र बगड़िया, विकास सिंघानिया, नरेश खेमका, विकास अग्रवाल, नरेंद्र सरावगी, आरती सिंघानिया, रुचि खेमका, आनंद खेड़िया तथा नेत्र विशेषज्ञ आर.के. त्रिवेदी एवं स्वास्थ्य अमले की उपस्थिति उल्लेखनी रही और शिविर में अपनी भरपूर सहभागिता निभाई।

परिवहन में हेरफेर कर करोड़ों का नुकसानआदेश जारी कर 24 घंटे में तोड़ा गया नियम

डीएसओ द्वारा कराए जा रहे क्रॉस मूवमेंट गेम 2 का खुलासा

मामला उपार्जित धान का

जिले में उपार्जित धान के परिवहन में बड़े पैमाने पर अनियमितता और गोलमाल का मामला एक बार फिर सामने आया है। परिवहनकर्ता को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से पहले क्रॉस मूवमेंट गेम खेला गया और अब इसका दूसरा चरण क्रॉस मूवमेंट गेम 2 उजागर हुआ है। इसमें नजदीकी भंडारण केंद्रों की जगह लंबी दूरी वाले गोदामों में धान भेजा गया, जिससे परिवहन लागत कई गुना बढ़ गई। क्रॉस मूवमेंट गेम 2 ने जिले की उपार्जन और भंडारण व्यवस्था की पोल खोल दी है। ट्रक रूट बदलकर, चालान ओवरराइट कर और नजदीकी गोदाम छोड़कर लंबी दूरी पर धान भंडारित कराना न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सरकार को करोड़ों की आर्थिक क्षति पहुंचाने वाला संगठित तंत्र का हिस्सा प्रतीत होता है।

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। जिले में हो रहे उपार्जित धान को भंडारण केन्द्र तक ले जाने के खेल में परिवहन कर्ता बृजेश पांडेय को करोड़ों का लाभ दिलाने के लिये प्रभारी डीएम नॉन एवं खाद्य अधिकारी अनीता सोरते ने परिवहन रूट की जबरजस्त प्लानिंग की गई। जहां नजदीकी खाली पड़े गोदामों को पहले नजर अंदाज कर लंबी दूरी वाले गोदामों को धान के भंडारण के लिए प्राथमिकता दी गई और बाद में उस लंबी दूरी वाले भंडारण केन्द्र को भी नजर अंदाज कर क्रॉस मूवमेंट गेम 2 का खेल खेला गया है। मामले के अनुसार कई ट्रक धान को इस पूरे खेल में उपार्जन केन्द्रों से भंडारण केन्द्रों तक ले जाने के लिए जारी ट्रक चालान को उनके गतंव्या स्थोन भेजा गया, उसके बाद अन्यंकत्र गोदाम में खाली कराते

हुए परिवहन कर्ता को लाभ दिलाया जा रहा है। यानि कागजों में धान एक वेयरहाउस के नाम दर्ज, लेकिन माल किसी दूसरे जगह पहुंचाया गया। इससे न सिर्फ सरकारी निर्देशों की अवहेलना हुई, बल्कि उपार्जन और परिवहन व्यवस्था की जवाबदेही और पारदर्शिता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लग गया हैं।यह है मामलाजिले में धान उपार्जन और परिवहन सिस्टम की पारदर्शिता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। 5 दिसंबर को जिला खाद्य अधिकारी द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि ट्रक चालान जिस गोदाम के लिए जारी होगा, धान की अनलोडिंग उसी गोदाम में अनिवार्य रूप से करवाई जाएगी। लेकिन परिवहन कर्ता को लाभ दिलाने के उद्देश्यन से उक्तस आदेश के 24 घंटे बाद 6 दिसम्बपर को ही डीएसओं वा प्रभारी नॉन प्रबंधक अनीता सोरते ने अपने ही आदेश की अनदेखी कर दी गई। एक तरफ उपार्जन नीति की खुलआम धज्जियां उड़ाकर गलत मैपिंग को अंजाम देते हुए वाहनों को क्रॉस मूवमेंट कराया गया। तो दूसरी तरफ जब क्रॉस मूवमेंट से भी बात नही बनी तो आदिम जाति सेवा सहकारी समिति पटनाकला खरीदी केंद्र रामकथा मैदान एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समिति दुलहरा खरीदी केंद्र पालीटेक्निक ग्राउंड से धान की खेप ओम सिंह वेयरहाउस के नाम का ट्रक चालन तैयार किया गया था, परंतु धान की वास्तविक अनलोडिंग मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन कोतमा में करवा दी गई। जब अधिकारी स्वयं अपने आदेशों का पालन नहीं करा पा रहे, तो सिस्टम से ईमानदारी और पारदर्शिता की उम्मीद कैसे की जाए।ऐसे खेला गया क्रॉस मूवमेंट गेम 2 का खेलजानकारी के अनुसार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति दुलहरा खरीदी केंद्र पालीटेक्निक ग्राउंड से 6 दिसम्बकर को ट्रक क्रमांक एमपी 18 जीए 2119 में 800 बोरी धान लोड़ कर ट्रक चालान क्रमांक 593480800001, एमपी 18 जीए 1075 बोरी 650, ट्रक चालान क्रमांक 593480800002 तथा ट्रक क्रमांक एमपी 18 जीए 3510 बोरी 650, ट्रक चालान क्रमांक 593480800003 में लोड़ कर ओंम सिंह वेयर हाउस परासी के लिये भेजा गया, जहां अपने गतंव्य स्था न पर पहुंचने पर उक्तड ट्रकों को बिना किसी लिखित आदेश के रमेश इंजीनियरिंग वेयर हाउस दारसागर भेजा गया, जहां फिर से ट्रक चालान में पेन से ओव्होर राइटिंग कर उसे एमपीडब्लूएलसी कोतमा भेज कर अनलोडिंग कराई गई। इसी तरह से आदिम जाति सेवा सहकारी समिति पटनाकला खरीदी केंद्र रामकथा मैदान से 5 दिसम्बसर को ट्रक क्रमांक एमपी 18 एच 7788 में 800 बोरी धान, ट्रक चालान क्रमांक 593480690001 तथा 7 दिसम्बसर को ट्रक क्रमांक एमपी 18 एच 8688 में 800 बोरी, ट्रक चालान क्रमांक 593480690004 को ओंक सिंह वेयर हाउस परासी भेजा गया और उक्त दोनो ट्रकों को भी रमेश इंजीनियरिंग वेयर हाउस दारसागर और फिर वहां से मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन कोतमा में खाली करवाया गया।उपार्जन नीति के विपरीत परिवहन कार्यपरिवहन कर्ता को लाभ दिलाने के चक्कयर में डीएसओं पर उपार्जन नीति के विपरित जाकर गलत मैपिंग किये जाने तथा क्रॉस मूवमेंट का खेल से कई सवाल खड़े हो चुके थे। लेकिन उसके बाद क्रॉस मूवमेंट गेम 2 का खेल भी सामने आया। कम दूरी वाले गोदाम उपलब्ध होने के बावजूद अधिक दूरी वाले रास्ते चुना जाना तथा उसके बाद फिर से दोबारा और अधिक दूरी बढ़ाने के लिये ट्रक को दो भंडारण केन्द्र भेजकर पूरा एक चक्क र लगाने के बाद तीसरे भंडारण केन्द्र में धान खाली करवाकर लाभ दिलाया जाना संदेह के घेरे में आ चुका है। जानकारी के अनुसार परिवहन कर्ता को उपार्जन केन्द्रल से 8 किमी की दूरी पर 1 हजार क्विंटल धान के परिवहन में 16 हजार 968 रूपये की राशि देय है, जबकि 50 किमी दूरी पर उक्तप धान को अनलोड़ करने पर यह राशि बढ़कर 54 हजार 840 रूपये बढ़ जाती है।प्रशासन की कार्यशैली पर सवालप्रभारी प्रबंधक नॉन वा डीएसओं अनीता सोरते ने 5 दिसम्बरर को एक आदेश जारी किया गया था, उक्तड आदेश के बिन्दु क्रमांक 3 में स्पष्ट उल्लेमख था कि परिवहनकर्ता को जिस उपार्जन केन्द्र से जिस गोदाम में लिये चालान जारी किया गया है, उसी के अनुसार संबंधित गोदाम में ट्रक अनलोड़ कराया जाएगा। लेकिन उक्तन आदेश के 24 घंटे के अंदर ही प्रभारी डीएम नॉन ने 6 दिसम्बंर को कई ट्रक धान को तीन भंडारण गोदाम का एक पूरा चक्ककर लगवाते हुए ट्रक चालान में जारी गोदाम की जगह अन्यं त्र गोदाम में धान मौखिक आदेश से धान खाली करवा दिया गया। फर्क साफ की अपने ही आदेश के विरूद्व जाकर परिवहन कर्ता को लाभ दिलाने के लिये कार्य किया गया।

तीन जगह लगी आग पर नहीं पहुँची दमकल, नागरिकों में भारी नाराजगी

अनूपपुर।

नगर पालिका अनूपपुर की फायर ब्रिगेड व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। शहर की सुरक्षा से सीधे जुड़े दोनों दमकल वाहन लंबे समय से खराब पड़े हैं, जिसके कारण बीते दिनों जिले में लगी आग की घटनाओं में दमकल समय पर नहीं पहुँच सकी। नागरिकों ने इसे प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए कड़ी नाराज़गी व्यक्त की है।सूत्रों के अनुसार नगर पालिका का पहला दमकल वाहन एमपी 65 टीए 0148 लगभग एक वर्ष पूर्व टंकी लीक होने और पंप खराब होने के बाद कटनी मरम्मत के लिए भेजा गया था। लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी वाहन वहीं खड़ा है और उसकी मरम्मत अब तक पूरी नहीं हो सकी है।दूसरा दमकल वाहन जो बिना नंबर का है, नगर पालिका परिसर के बाहर ही निष्क्रिय अवस्था में खड़ा है। इसकी पानी की टंकी भी लीक हो चुकी है, जिससे यह वाहन उपयोग लायक नहीं है। दोनों वाहनों की मरम्मत और नियमित रखरखाव में लापरवाही के कारण नगर पालिका अनूपपुर के पास इस समय एक भी कार्यरत फायर ब्रिगेड नहीं है।इसी बीच जिले के विभिन्न क्षेत्रों ग्राम मनटोलिया, पसला और कांसा में हाल ही में आगजनी की तीन घटनाएँ दर्ज हुईं। कंट्रोल रूम और डायल 112 पर सूचना देने के बावजूद नगर पालिका की दमकल व्यवस्था ठप होने से फायर ब्रिगेड घटना स्थल तक नहीं पहुँची। ऐसी स्थिति में

ग्रामीणों ने स्वयं प्रयास कर आग पर काबू पाया और बड़ी घटना टल गई। कांसा ग्राम में तो स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि नपा अनूपपुर की दमकल खराब होने पर नगर परिषद् बरगवां से फायर ब्रिगेड बुलानी पड़ी।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि आग लगने की आपदा में मिनट–मिनट की देरी भी जान–माल की भारी हानि का कारण बन सकती है। ऐसे में फायर ब्रिगेड की निष्क्रियता सीधे तौर पर जन–सुरक्षा के लिए खतरा बन गई है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों दमकल वाहनों की मरम्मत, उपकरणों की उपलब्धता और फायर ब्रिगेड व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने की मांग की है।नगर पालिका की दमकल व्यवस्था इसी तरह ठप रही, तो भविष्य में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। शहर में बाजारों, आवासीय कॉलोनियों और ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से बढ़ते निर्माण कार्यों को देखते हुए आगजनी के जोखिम पूर्व की तुलना में कई गुना बढ़ गए हैं। नगर में कई स्थान ऐसे हैं, जहाँ गैस गोदाम, लकड़ी के भंडार, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और भीड़भाड़ वाले आवासीय क्षेत्र स्थित हैं। ऐसे संवेदनशील स्थानों पर अगर अचानक कोई अप्रत्याशित आगजनी होती है और दमकल समय पर न पहुँचे, तो जान–माल की व्यापक हानि संभव है। स्थानीय जानकारों ने यह भी बताया कि आने वाले सर्दी और विवाह सीजन में अक्सर आगजनी की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। ऐसे समय में फायर ब्रिगेड का निष्क्रिय रहना शहर के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है। यदि समय रहते मरम्मत और रखरखाव नहीं किया गया तो किसी भी आपात स्थिति में अनूपपुर को पड़ोसी पर निर्भर रहना पड़ेगा, जिससे राहत कार्य में देरी होगी और नुकसान का स्तर कई गुना बढ़ सकता है।नागरिकों ने चिंता जताते हुए कहा है कि अगर जल्द समाधान नहीं निकला तो एक छोटा-सा हादसा भी भविष्य में बड़े दुर्घटना रूप में सामने आ सकता है। उन्होंने प्रशासन से फायर ब्रिगेड व्यवस्था को प्राथमिकता में लेते हुए तुरंत कार्यवाही करने की मांग दोहराई है।

इनका कहना

मामला संज्ञान में आया है, नगर पालिका अनूपपुर से जानकारी लेकर दोनो फायर बिग्रेड वाहनों का मरम्मत कराया जयेगा।

हर्षल पंचोली
कलेक्टर अनूपपुर

'नेकी की दीवार' नहीं कर पा रही गरीबों का भला

सिर्फ नाम का रह गया नेकी की दीवार, जिले में योजना का अस्तित्व हो रहा खत्म, नहीं मिल रहा लाभ

मकसद था गरीबों की मदद करना, खुद ही अव्यवस्था की हो गई शिकार

जिला मुख्यालय मे जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर मे सीढ़ी के पास 'नेकी की दीवार' के लिए प्रशासन ने एक जगह चिन्हित किया था जिसमें गरीबों के लिए कपड़े और अन्य सामान लोग रख जाते थे पिछले लम्बे समय से यह नेकी की दीवार उपेक्षा का शिकार हो रही है। इस दीवार का उद्देश्य न तो प्रशासन पूरा कर पा रहा है और न ही समाजसेवी संगठन।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर मे नेकी की दीवार योजना का अस्तित्व खत्म हो रहा है या बंद हो चुकी कह सकते हैं, क्योंकि दान करने वाले और जरूरतमंद लोगों की कमी, रखरखाव का अभाव और उत्साह कम होने जैसे कारणों से ये धीरे-धीरे गायब हो रही हैं। ज्ञात हो कि शुरुआती दिनों में लोगों का उत्साह बहुत था, लेकिन समय के साथ दान देने वाले लोग कम हो गए वही रखरखाव ठीक से नहीं हो पाया, जिससे ये अव्यवस्थित हो गईं। इसके अलावा अधिकांश जरूरतमंदों को इन दीवारों के बारे में जानकारी नहीं थी या वे वहां तक नहीं पहुँच पा रहे थे। साथ ही सरकार और सामाजिक संस्थाओं का ध्यान हटने से भी यह योजना कमजोर पड़ी। संक्षेप में कहा जाये तो नेकी की दीवार का विचार तो अच्छा था, लेकिन जमीनी स्तर पर इसे लगातार बनाए रखने में चुनौतियां आने के कारण यह गायब हो रही है। शहर में यदि गिनती करें तो दर्जनों सामाजिक संगठन अपनी प्रेस विज्ञप्ति लेकर अखबारों के दफ्तर तक पहुंचते हैं पर उनकी भूमिका नेकी की दीवार के लिए नगण्य है। इस तरह देखा जाए तो सामाजिक संगठन ही आगे नहीं आ रहे हैं। कलेक्टर को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है ताकि शासन की अच्छी मंशा को सार्थकता मिल सके। नेकी की दीवार का लाभ तभी मिलेगा जब लोग जागरूक हों, प्रशासन सहयोग करे और व्यवस्था बनी रहे नही तो यह योजना सिर्फ एक दिखावा बनकर रह जाती है।

बदतर हालत मे नेकी की दीवार

जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर मे सीढ़ी के पास 'नेकी की दीवार' मे दान के लिए छोड़े गए कपड़े बाहर तक फैले है, लेकिन उन्हें सुरक्षित और व्यवस्थित करने के लिए कर्मचारी नहीं है। नए और पुराने कपड़ों की हालत खराब दिखाई देने से जरुरतमंद दूर भागने लगे है। जबकि यहां पर आने वाले कपड़ों को का व्यवस्थित और सुरक्षित स्थान पर रखने के लिए कर्मचारी का नियुक्त होना जरूरी है। नियुक्त कर्मचारी को सभी साइज और नए, पुराने को रखना चाहिए। जिससे जरुरतमंदों को सही तरीके से लाभ मिल सके, लेकिन यह कार्य नहीं किया जा रहा है। गरीब लोगों की भलाई के उद्देश्य से शुरू की गई नेकी की दीवार का सिलसिला कहीं ना कहीं अब अव्यवस्था का शिकार होते हुए दिखाई दे रहा है। यहां बस पोस्टर लगाकर खानापूर्ति कर दी गई है। नेकी की दीवार दुर्दशा को देखकर सब हैरान हैं। यही नहीं, स्थानीय लोग लेकर नेकी की दीवार को लेकर नगर पालिका और संबंधित संस्था पर सवाल भी खड़े कर रहे हैं। स्थिति यह है कि अस्पताल दीवार पर सिर्फ नेकी की दीवार लिखा रह गया है।

उपेक्षा से भटका मूल सिद्धांत

"नेकी की दीवार" एक अच्छी पहल थी जहाँ लोग अपने अतिरिक्त कपड़े और सामान जरूरतमंदों के लिए छोड़ते थे, लेकिन कई जगहों पर यह अब सिर्फ नाम की रह गई है क्योंकि लोग कूड़ा-कचरा डालने लगे या लोग लापरवाह हो गए, जिससे यह जगह गंदी हो गई और इसका मूल उद्देश्य भटक गया। "आपके पास ज्यादा है तो यहाँ छोड़ें, जरूरत है तो ले जाएँ" के सिद्धांत पर बनी नेकी की दीवार मे लोग खराब, पहनने लायक न होने वाले कपड़े और कूड़ा-कचरा डालने लगे वही नगर पालिका व संस्थाओं का ध्यान न जाने से यह जगह उपेक्षित हो गई। लापरवाही और कूड़ा-कचरे के कारण अपनी चमक खो बैठा, लेकिन इसका मूल विचार आज भी प्रासंगिक है।

कचरा बने कपड़ों को टांग गए

जरुरतमंदों को उनकी पसंद अनुसार पुराने कपड़े मुहैया कराने की गरज से शुरु किया गया 'नेकी की दीवार' अब औपचारिक रह गया है। नेकी की दीवार स्थान पर अब लोग जरुरत मुताबिक काम आने वाले पुराने कपड़े नहीं बल्कि घर में कचरा बन चुके कपड़ों को फेंक आते हैं। 'जो आपके पास ज्यादा हैं वह हमें दे जाए और जो आपके पास नहीं हैं वह यहां से ले जाए' इस स्लोगन की अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से शुरु किए गए नेकी की दीवार कार्यक्रम कुछ समय तक तो सहीं चला। नेकी की दीवार के नाम पर लोगों ने अपने वह कपड़े और जूते इत्यादि रखने शुरु किए जो पहनने हुए तो थे, लेकिन इतने पुराने नहीं थे जिसे दोबारा इस्तेमाल न किया जाए। ऐसे कपड़े-जूते इत्यादि को जरुरतमंदों द्वारा ले जाकर उसका उपयोग किया जाने लगा। पर अब नेकी की दीवार पर एक भी कपड़ा ऐसा दिखाई नहीं दे रहा है जो पहनने लायक हो। लोगों ने वही कपड़े यहां लाकर डाले हैं जो घर पर कचरा बने हुए थे साथ ही यहां टूटी चप्पलें खराब अन्य सामान रख गये हैं जिन्हे फेंक देना चाहिये।

डाक विभाग ने बदले स्पीड पोस्ट के नियम, डिलीवरी के दौरान बताना होगा ओटीपी

अधिक सुरक्षित व पारदर्शी सेवा देने के लिए डाक विभाग ने लागू किया नियम

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। भारतीय डाक विभागमें अब स्पीड पोस्ट की डिलीवरी के समय व ग्राहक को ओटीपी बताना होगा। डाक विभाग ने अपनी सेवा को और अधिक सुरक्षित, पारदर्शी व आधुनिक बनाने के लिए यह कदम उठाया है। अक्तूबर माह से लागू नयी व्यवस्था के तहत अब ग्राहक को कई डिजिटल सुविधाएं एक साथ मिलेंगी। इनमें ओटीपी आधारित डिलीवरी, ऑनलाइन भुगतान, वास्तविक समय में ट्रैकिंग, एसएमएस/ई-मेल द्वारा डिलीवरी की जानकारी व पार्सल पंजीकरण की सुविधाएं शामिल हैं। डाक मंडल ने भी इन नयी सुविधाओं को लागू कर दिया है। ऐसे में लोगों को डाकघर में भी अब निजी कुरियर सेवाओं जैसी तेज व भरोसेमंद सुविधा मिलेगी।

आधुनिक और डिजिटल होगी डाक सेवा

डाक विभाग ने स्पीड पोस्ट सेवा को तकनीकी रूप से उन्नत बनाने व निजी कुरियर कंपनियों से प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए यह बदलाव किया है। इन डिजिटल सेवाओं के माध्यम से पार्सल व दस्तावेजों की डिलीवरी अब और अधिक विश्वसनीय व पारदर्शी होगी। शुल्क संरचना में भी किया गया संशोधन डाक विभाग ने एक अक्तूबर से स्पीड पोस्ट की दरों में भी बदलाव किया है। 50 ग्राम तक की स्थानीय दर 19 रुपये तय की गयी है। वहीं 200 से 2000 किलोमीटर दूरी तक के लिए 47 रुपये शुल्क देना होगा। 51 से 250 ग्राम तक की स्थानीय दर 24 रुपये और दो सौ से दो हजार किलोमीटर दूरी के लिए 59 रुपये से 77 रुपये तक शुल्क है। जबकि 251 से 500 ग्राम श्रेणी में स्थानीय दर 28 रुपये और दूरी के अनुसार 70 से 93 रुपये तक शुल्क निर्धारित किया गया है। सभी श्रेणियों पर जीएसटी अतिरिक्त देय होगा। नयी व्यवस्था के तहत ओटीपी डिलीवरी व पंजीकरण सेवा के लिए हर स्पीड पोस्ट आइटम पर पांच रुपये अतिरिक्त शुल्क व जीएसटी लिया जायेगा। यह सुविधा केवल प्राप्तकर्ता या उसके अधिकृत व्यक्ति को ही उपलब्ध होगी। ज्ञात हो कि पिछली बार शुल्क संशोधन वर्ष 2012 में किया गया था, अब लगभग 13 साल बाद डिजिटल सेवाओं के साथ नयी दरें लागू की गयी हैं।

पैसे दो तभी धान होगा 'पास', वरना रिजेक्ट

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। जिले के धान उपार्जन केंद्रों पर किसानों का शोषण चरम पर पहुँच गया है। किसानों ने बताया कि धान खरीदी व्यवस्था अब 'वसूली सिस्टम' में बदल गई है, जहाँ अपनी ही उपज बेचने के लिए उन्हें 500-1000 रुपये की अवैध राशि देनी पड़ रही है पैसे दो तो धान पास, पैसे नहीं तो धान रिजेक्ट और डर दिखाकर जबरन वसूली। किसानों का आरोप है कि चेकर इन्हीं तीन तरीकों से खरीदी केंद्रों को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाए हुए हैं। जिन खरीदी केंद्रों पर धांधली कोतमा सेवा सहकारी समिति मर्या. छिल्पा (मार्कफेड कोतमा), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति भालमुड़ी (मंडी प्रांगण एवं नरेगा कैप), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति कोठी (नरेगा कैप कोठी), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति अमलई (पयारी नं.1, ठव्ज गोदाम), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बिजुरी (उपतहसील प्रांगण), सेंटिन जय मां लक्ष्मी स्व सहायता समूह छिल्पा, अनूपपुर सेवा सहकारी समिति मर्या. अनूपपुर (विपणन कैप), सेवा सहकारी समिति मर्या. बेनीबारी (समिति परिसर), सेवा सहकारी समिति मर्या. भेजरी (समिति परिसर), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति देवगवां (अन्नपूर्णा वेयरहाउस), आदिम जाति सेवा सहकारी समिति दुलहरा

(पॉलीटेक्निक कॉलेज मैदान), सेवा सहकारी समिति मर्या. राजेंद्रग्राम (समिति परिसर), सेवा सहकारी समिति मर्या. जैतहरी (आरटीओ गोदाम खूंटाटोला) हैं।

किसानों की बढ़ी पीड़ा

शासन द्वारा पल्लेदारी, सिलाई और परिवहन के लिए बजट जारी होने के बावजूद किसानों से वसूली लगातार जारी है। किसान जिला प्रशासन से तत्काल छापेमारी कर दोषी चेकर्स और प्रबंधकों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। जब इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी सुश्री अनीता सोरते से बात करने की कोशिश की गई, तो घंटी बजती रही लेकिन कॉल रिसीव नहीं किया गया, जिससे उनका पक्ष नहीं मिल सका।

प्रमुख चौक-चौराहों पर लगाए सीसी टीवी कैमरे

नगर परिषद क्षेत्र में तीसरी आंख से होगी निगरानी

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में नगर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने षद था। असामाजिक तत्वो तथा अपराधों पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से नगर परिषद बनगवां (राजनगर) द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) अध्यक्ष यशवंत सिंह के नेतृत्व में नगर के प्रमुख स्थल बस स्टैंड राजनगर, सब एरिया बंगला चौराहा, काली मंदिर न्यू राजनगर थाना के पास चौक-चौराहों, भगत सिंह चौक के मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इस कदम से नगर में सुरक्षा का माहौल और बेहतर हुआ है, तथा नागरिकों में विश्वास की भावना जगी है। अध्यक्ष यशवंत सिंह ने बताया, कि हाल के दिनों में नगर में चोरी और असामाजिक गतिविधियों की घटनाएं सामने आ रही थीं। इन्हीं को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद ने यह निर्णय लिया कि अब पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरे से निगरानी में लाया जाएगा। उन्होंने कहा, "राजनगर को एक सुरक्षित और स्मार्ट नगर बनाना हमारी प्राथमिकता है। सीसीटीवी कैमरे इस दिशा में एक महत्वपूर्ण

शुरुआत हैं।" इस अभियान को सफल बनाने के लिए नगर परिषद बनगवां (राजनगर) ने रामनगर थाना प्रभारी सुमित कौशिक और मुख्य नगर पालिका अधिकारी राममिलन तिवारी के साथ संयुक्त बैठक की गयी। बैठक में यह तय किया गया कि जिन क्षेत्रों में असामाजिक गतिविधियां अधिक होती हैं, या जहां भीड़भाड़ रहती है, वहाँ कैमरे प्राथमिकता से लगाए जाएं। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया, कि कैमरों के लगने से पुलिस की जांच प्रक्रिया आसान होगी। "अब किसी भी घटना के तुरंत बाद फुटेज देखकर अपराधियों की पहचान की जा सकेगी। यह न केवल अपराध नियंत्रण में मदद करेगा। बल्कि जनता में भी सुरक्षा की भावना को बढ़ाएगा," उन्होंने कहा, नगर परिषद के पहले चरण में बस स्टैंड चौक, थाना रोड, वार्ड नंबर 5 सब एरिया ऑफिस के सामने, बाजार क्षेत्र और मुख्य मार्गों पर उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे नगर परिषद के नियंत्रण कक्ष से सीधे जुड़े हैं, जहां चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। नगर परिषद अधिकारी राममिलन तिवारी ने कहा, कि यह पहल केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक आयोजनों और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में भी सहायक होगी। उन्होंने बताया, कि कई बार त्यौहारों या जुलूसों के दौरान ट्रैफिक और भीड़ की स्थिति पर नजर रखना कठिन होता है, लेकिन अब कैमरों के जरिए समय पर कार्यवाही की जा सकेगी। नगरवासियों ने भी इस पहल की सराहना की है। स्थानीय निवासी सतीश द्विवेदी ने कहा, "कैमरे लगने से लोग सावधान हो गए हैं। पहले रात में कई जगह चोरी की घटनाएं होती थीं, अब उनमें कमी आई है।" व्यापारी जायसवाल इलेक्ट्रिकल्स एवं इलेक्ट्रॉनिक बस स्टैंड राजनगर के संचालक आनंद जायसवाल ने कहा, "व्यापारियों को भी अब अधिक सुरक्षा महसूस हो रही है। दुकान और आसपास की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है।" नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह ने कहा कि आने वाले समय में सीसीटीवी प्रणाली को स्मार्ट सर्वर सिस्टम से जोड़ा जाएगा, जिससे पुलिस मुख्यालय को भी फुटेज की सीधी पहुंच मिल सके। उन्होंने कहा कि "यह पहल सिर्फ तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का भी प्रतीक है। जब नगर सुरक्षित होगा, तभी विकास संभव है।" नगर में बढ़ती सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए नागरिकों ने इसे "सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम" बताया है। राजनगर अब सुरक्षित, अनुशासित और आधुनिक नगर बनने की दिशा में अग्रसर है।

धान के अवैध परिवहन को रोकने कलेक्टर ने स्थापित किए चेक पोस्ट

चेक पोस्ट पर शासकीय सेवकों की लगाई ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने अंतर्राज्यीय सीमा से लगे हुए मार्गों पर चेकपोस्ट/नाका स्थापित कर इन नाकों पर चेकिंग/निगरानी दल की ड्यूटी लगाई है। जिसमें पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड हेतु कृषि उपज मण्डी अनूपपुर/जैतहरी के प्रभारी सचिव बालगोविन्द कोल को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत जालेश्वर चेकपोस्ट पर वन रक्षक हरिलाल प्रजापति की ड्यूटी सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक तथा वनपाल चैन सिंह मरावी की ड्यूटी शाम 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक एवं उप निरीक्षक बी.एल. गालिया की ड्यूटी रात्रि 12 बजे से सुबह 8 बजे तक लगाई गई है। इसी तरह पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत बिजौरी नाका पर वनपाल नरेन्द्र सिंह धुर्वे की ड्यूटी सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक तथा वनरक्षक उदय धुर्वे की ड्यूटी शाम 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक एवं वनरक्षक दिव्यदास सोनवानी की ड्यूटी रात्रि 12 बजे से सुबह 8 बजे तक लगाई गई है। पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत कबीर चबूतरा नाका पर उप वनक्षेत्रपाल धनीराम रौतेल की ड्यूटी सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक तथा वनरक्षक धरम सिंह मरावी की ड्यूटी शाम 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक एवं वनरक्षक अजीत सिंह बघेल की ड्यूटी रात्रि 12 बजे से सुबह 8 बजे तक लगाई गई है। कोतमा विकासखण्ड हेतु कृषि उपज मण्डी अनूपपुर के सहायक उप निरीक्षक संजय यादव को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कोतमा विकासखण्ड अंतर्गत कनई टोला नाका पर वनरक्षक सुनील बैगा की ड्यूटी सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक तथा वनरक्षक अनिल केवट की ड्यूटी शाम 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक एवं वनरक्षक कुंवर सिंह परस्ते की ड्यूटी रात्रि 12 बजे से सुबह 8 बजे तक लगाई गई है। जैतहरी विकासखण्ड हेतु कृषि उपज मण्डी अनूपपुर के सहायक उप निरीक्षक सौरभ मिश्रा को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

जैतहरी विकासखण्ड अंतर्गत वेंकटनगर नाका पर वनरक्षक पंकजराज शक्तेल की ड्यूटी सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक तथा वनपाल शिवचरण पुरी की ड्यूटी शाम 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक एवं वनरक्षक भीखम प्रसाद कोल की ड्यूटी रात्रि 12 बजे से सुबह 8 बजे तक लगाई गई है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि नोडल अधिकारी भ्रमण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि चेकपोस्ट/नाका पर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी द्वारा निगरानी की जा रही है कि नही एवं अनुविभागीय अधिकारी इसकी मॉनीटरिंग करेंगे।

मजबूरी! मिट्टी-गिट्टी डालकर ग्रामीणों ने खुद बनाई सड़क

नपा को अवगत कराने के बाद भी नहीं किया कोई समाधान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले की बिजुरी नगरपालिका के वार्ड नंबर 07 कपिलधारा के बरघाट मोहल्ले में ग्रामीणों ने स्वयं सड़क का निर्माण किया है। आवाजाही के लिए सड़क न होने और नगरपालिका की अनदेखी से परेशान होकर स्थानीय लोगों ने यह कदम उठाया। मोहल्ले में अब तक कोई सड़क नहीं बनी थी, जिससे निवासियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि बीमार होने पर एम्बुलेंस भी नहीं पहुंच पाती थी, जिससे आपातकालीन स्थितियों में जान का जोखिम बना रहता था। स्थानीय लोगों ने अपनी समस्या को लेकर कई बार नगरपालिका को अवगत कराया था, लेकिन इसके बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। स्थानीय निवासी संतोष ने बताया कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बार-बार सूचित किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे परेशानियां लगातार बढ़ती गईं। आखिरकार, मोहल्ले के दर्जनों लोग एकजुट हुए और उन्होंने स्वयं मिट्टी और गिट्टी डालकर सड़क बनाने का कार्य शुरू कर दिया। इस कार्य में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

जन समस्याओं के निवारण के लिए सुशासन शिविरों का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। भारत सरकार द्वारा प्रदत्त निर्देश के अनुक्रम में जिले में सुशासन सप्ताह (19 से 25 दिसम्बर 2025) के तहत प्रशासन ग्राम की ओर कैंपों का आयोजन किया जाना है। इसी तारतम्य में जिला प्रशासन द्वारा तहसील जैतहरी के ग्राम पंचायत वेंकटनगर में 17 दिसम्बर को तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत करपा में 23 दिसम्बर को तथा तहसील कोतमा के ग्राम पंचायत कोठी में 24 दिसम्बर को जन समस्याओं के निवारण के लिए सुशासन शिविर का आयोजन किया जाएगा। सुशासन शिविर के समुचित क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को नोडल अधिकारी तथा संबंधित क्षेत्र के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। उक्त शिविर में जिला स्तर से ग्राम पंचायतों के नोडल अधिकारी/कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई गई है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को शिविर के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शिविर में जन समस्या रजिस्टर एवं राजस्व प्रकरण रजिस्टर संधारित करते हुए प्रकरणों के निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सुशासन शिविर से सम्बद्ध ग्राम पंचायतों में नोडल अधिकारी सुबह 9:00 बजे संबंधित पंचायत मुख्यालय पर दस्तक देकर जन समस्या रजिस्टर में आवेदन प्राप्त करेंगे। तत्पश्चात अपरान्ह 1:30 बजे तक सभी सम्बद्ध ग्रामों के सचिव, रोजगार सहायक, पटवारी, राशन विक्रेता, एएनएम एवं अन्य विभागों के पंचायत स्तर के अधिकारी, कर्मचारी की उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। समस्त जिला अधिकारी अपने ब्लॉक अधिकारियों एवं संबंधित पंचायतों के प्रभारी के साथ अपरान्ह 1:30 बजे तक शिविर स्थल पर पहुंचकर रजिस्टर में प्राप्त आवेदन पत्रों पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। शिविर में संबंधित क्षेत्र के ग्रामों के ग्रामीणों से जन समस्या निवारण शिविर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

दिव्यांगों को बस किराए में 50 प्रतिशत की छूट

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। राज्य शासन ने प्रदेश की सभी प्रक्रम बस सेवाओं में दिव्यांग व्यक्तियों को 50 प्रतिशत छूट देने के निर्देश दिये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को यूडीआईडी कार्ड दिखाने पर यह छूट मिल जायेगी। परिवहन आयुक्त द्वारा सभी क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिये गये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को दिव्यांगजन सक्षम प्राधिकारी के प्रमाण-पत्र के रूप में केन्द्र या राज्य शासन द्वारा जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी. कार्ड प्रस्तुत करने पर किराये में 50 प्रतिशत छूट का लाभ दें। केन्द्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा यूनिक आई.डी. फॉर पर्सन विद डिसेबिलिटी (यूडीआईडी) प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसमें दिव्यांगों को यूडीआईडी कार्ड दिये जा रहे हैं। कार्ड के माध्यम से दिव्यांग केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।

जर्जर सड़क पर जमा पानी से मिली स्थायी राहत

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। नगर परिषद डोला क्षेत्र में लंबे समय से नगर के नागरिकों को जर्जर सड़कों और पानी जमाव की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। बारिश के बाद सड़कों पर पानी भर जाने से लोगों को न केवल आवागमन में परेशानी होती थी, बल्कि कीचड़ और गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का भी खतरा बना रहता था। कई बार शिकायतें दर्ज होने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया था। जिससे आमजन में नाराजगी भी देखने को मिल रही थी। लेकिन इस बार नगर परिषद डोला ने जनता की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सराहनीय पहल की है। पानी निकासी की समस्या को स्थायी रूप से हल करने के लिए नगर परिषद ने सड़क के नीचे से पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू किया, ताकि सड़क पर जमा पानी नाली तक पहुंच सके और दोबारा सड़क पर न रुके। इस योजना के अंतर्गत पहले उन स्थानों पर गिट्टी डालकर समतलीकरण किया गया। जहां बड़े-बड़े गड्ढे बन गए थे। इसके बाद जहां पानी की निकासी का कोई रास्ता नहीं था। वहां सीमेंट पाइप लगाकर पानी के बहाव का नया मार्ग बनाया गया। एसईसीएल क्षेत्र की सड़क, जो पहले ही मरम्मत के बाद कुछ ही दिनों में गड्ढों में तब्दील हो गई थी। अब इस सुधार कार्य के बाद पहले से कहीं अधिक मजबूत और उपयोगी हो गई है। स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली है, क्यों कि अब सड़क पर कीचड़ और पानी का जमाव नहीं रहेगा। वहीं, आसपास के घरों में पानी घुसने की समस्या से भी लोगों को छुटकारा मिलेगा। नगर परिषद डोला के इस कार्य में अध्यक्ष पति सुरेश रेनू कोल, उपाध्यक्ष रवि शंकर तिवारी, राहुल सिंह परिहार, जितेंद्र शुक्ला, बाबूलाल सिंह, इंजीनियर ओमवती तिवारी, राकेश, तथा नगर परिषद के अन्य समस्त कर्मचारी एवं स्टाफ मौजूद रहे। इन सभी के सामूहिक प्रयास से यह कार्य समय पर पूरा हुआ। जनता का कहना है, कि यह कार्य वास्तव में परिषद की जिम्मेदारी और जनता के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। लोगों ने नगर परिषद डोला के इस कदम की खुलकर सराहना की है। अब उम्मीद की जा रही है कि क्षेत्र की अन्य सड़कों पर भी इसी तरह स्थायी समाधान किए जाएंगे ताकि भविष्य में नागरिकों को इस तरह की समस्याओं से दोबारा न जूझना पड़े। नगर परिषद डोला का यह प्रयास न केवल विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है, बल्कि यह भी साबित करता है कि जब, जनप्रतिनिधि और प्रशासन मिलकर काम करें, तो हर समस्या का समाधान संभव है।

बैरीबांध में राजकुमार गोस्वामी के अवैध क्लीनिक के संचालन पर लगा प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार जिला स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा आज ग्राम बैरीबांध (जमुड़ी) अमरकंटक मुख्य मार्ग पर स्थित राजकुमार गोस्वामी के अवैध क्लीनिक पर औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में डी.एच.ओ.-1 डॉ. एस. सी. राय, प्रमुख खण्ड चिकित्सा अधिकारी विकासखण्ड अनूपपुर डॉ. धनीराम सिंह श्याम, डी. एच. ओ.-2 डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि राजकुमार गोस्वामी द्वारा अवैध रूप से क्लीनिक का संचालन किया जा रहा था, जिसमें मरीजों को भर्ती करने की सुविधा पलंग तथा पैथालॉजी जांच की सुविधाएं संचालित थी। विभिन्न प्रकार की अवैध रूप से खरीदी हुई एलोपैथिक दवाईयां, बाटल, सिरिंज, एन्टीबायोटिक एवं पैथालॉजी जांच से संबंधित सामग्री निरीक्षण दल द्वारा जप्त की गयी। संबंधित क्लीनिक के बाहर उक्त अवैध क्लीनकि के संचालन पर प्रतिबंध लगाते हुये नोटिस चस्पा किया गया। निरीक्षण के दौरान क्लीनिक संचालक उपस्थित नहीं पाया गया।